मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 286, मुंबई, शुक्रवार, 31 जनवरी, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

डॉ. कफील को यूपी एसटीएफ ने मुंबई से किया...

गिरफ्तार

डॉ. कफील खान ने कहा कि यूपी पुलिस पर भरोसा नहीं, महाराष्ट्र में ही रखा जाए

एएमयू में भड़काऊ भाषण देने का आरोप

'सीएए से मुसलमान सेकंड क्लास हो जाएंगे'

मुंबई। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने डॉ. कफील खान को बुधवार को मुंबई से गिरफ्तार किया है। गोरखपुर के रहने वाले डॉ. कफील पर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। 13 दिसंबर को अलीगढ़ में भड़काऊ भाषण देने के मामले में उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया था। पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

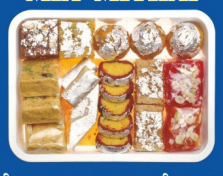

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

मानखुर्द इलाके में निर्माणाधीन ब्रिज का हिस्सा गिरा

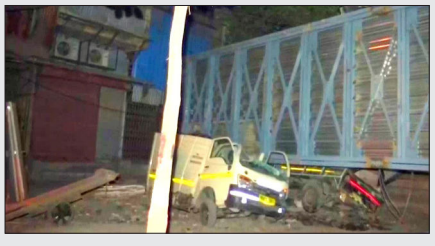

दो लोग घायल, तीन वाहन क्षतिग्रस्त

ब्रिज के गिरे हिस्से को कटर से काटकर ट्रक निकाला गया

मुंबई। शहर के मानखुर्द इलाके में बुधवार देर रात एक निर्माणाधीन ओवरब्रिज का हिस्सा गिरने से दो लोग घायल हो गए। यह ब्रिज एक ट्रक और दो कार पर गिरा है। गुरुवार सुबह तक ब्रिज के मलबे को हटाने का काम किया गया। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

सीएए के खिलाफ मार्च से पहले युवक ने फायरिंग की

कहा- ये लो आजादी, वारदात से पहले फेसबुक लाइव भी किया

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ मार्च से पहले गुरुवार को जामिया इलाके में एक युवक ने फायरिंग की। इससे वहां अफरातफरी मच गई। युवक करीब 12 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में काफी देर तक हथियार (देसी कट्टा) लहराता रहा और हवाई फायरिंग की। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

अबु आजमी के बेटे फरहान आजमी ने कहा...

उद्धव के साथ जाऊंगा अयोध्या, वह मंदिर बनाएंगे, मैं मस्जिद

मुंबई। समाजवादी पार्टी के नेता अबु आजमी के बेटे फरहान आजमी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के फैसले पर सवाल उठाया है। फरहान का कहना है कि सीएम उद्धव ठाकरे अपने 100 दिन पूरे होने पर अयोध्या जाने के फैसले से मुसलमानों को डरा रहे हैं। फरहान आजमी ने कहा कि अगर उद्धव ठाकरे अयोध्या के राम मंदिर जाते हैं तो हम भी अयोध्या जाएंगे, लेकिन बाबरी मस्जिद बनाने के लिए। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

'मुसलमानों को डराने की कोशिश कर रहे हैं उद्धव'

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शुक्रवार
31 जनवरी, 2020

विरोधियों पर अदनान सामी का पलटवार

बोले : मेरे पिता के काम से मेरा कोई लेना देना नहीं, कुछ लोग स्वार्थ के चलते घसीट रहे मेरा नाम

मुंबई। पाकिस्तानी मूल के भारतीय गायक अदनान सामी ने गुरुवार को समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि वो एक कलाकार हैं और उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपने निहित स्वार्थ के चलते उनका नाम विवादों में घसीट रहे हैं।

उन्होंने इस विवाद को लेकर सवाल खड़ा किया कि उनके पिता का उनके पुरस्कार से क्या लेना-देना है। दरअसल सामी के पिता पाकिस्तान वायु सेना में पायलट थे और इसीलिए सामी के नाम पर विवाद है लेकिन सामी पूरे विवाद को गैरजरूरी मानते हैं। बता दें कि सामी को 2016 में भारत की नागरिकता दी गई थी। उन्होंने पद्मश्री के लिए चुने जाने पर सरकार का आभार व्यक्त किया है।

अदनान सामी को 25 जनवरी को पद्मश्री देने की घोषणा केंद्र सरकार की ओर से की गई। सामी को 2016 में भारत की नागरिकता दी गई थी

उन्होंने कहा, 'आलोचना करने वाले कुछ छोटे मोटे राजनेता हैं। वे किसी राजनीतिक एजेंडा के तहत ये कर रहे हैं और इसका मुझसे कोई लेना देना नहीं है. मैं नेता नहीं हूं, मैं संगीतकार हूं।'उन्होंने कहा,'मेरे पिता सम्मानित लड़ाकू पायलट थे और एक पेशेवर सैनिक थे। उन्होंने अपने देश के प्रति अपना फर्ज निभाया। उसके लिए मैं उनका सम्मान करता हूं। वह उनका जीवन था और उसके लिए उन्हें पुरस्कृत किया गया। मैंने उससे लाभ नहीं उठाया और न ही उसका श्रेय लिया। ठीक इसी प्रकार से मैं जो करता हूं उसका श्रेय उन्हें नहीं दिया जा सकता। मेरे पुरस्कार का मेरे पिता से क्या लेना देना? यह गैरजरूरी है।' उन्होंने कहा, 'अब मैं एक भारतीय नागरिक हूं, इस पुरस्कार को पाने का पूरा हकदार हूं। वे मेरी पाकिस्तानी पृष्ठभूमि को सामने ला रहे हैं, यह हास्यास्पद और चौंकाने वाला है। वे किसी भी चीज को उठा रहे हैं क्योंकि उनके पास कहने के लिए और कुछ नहीं है।' हालांकि, उन्होंने कहा कि अलग-अलग राजनीतिक दलों के लोगों से उनके अच्छे संबंध है। सामी को पद्मश्री दिए जाने का विरोध महाराष्ट्र में कांग्रेस-राकांपा और मनसे की ओर से किया जा रहा है। तीनों से उनकी योग्यता पर सवाल उठाया है, तो वहीं भाजपा सामी के साथ खड़ी है, उसका कहना है कि वह यह पुरस्कार के लिए पात्र व्यक्ति हैं।

मंत्री जितेंद्र आव्हाड बोले- इंदिरा गांधी ने भी लोकतंत्र का गला घोंटा था, देशभर में आंदोलन हुआ और उन्हें सत्ता खोनी पड़ी

बीड। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री जीतेंद्र आव्हाड का एक बयान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस पार्टी के बीच खटास पैदा कर सकता है। बुधवार शाम को राकांपा नेता आव्हाड ने इंदिरा गांधी के लिए कहा कि उन्होंने भी लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया था। जिसके कारण जेपी आंदोलन हुआ और उन्हें सत्ता से हाथ धोना पड़ा था। मंत्री की यह टिप्पणी सीएए और एनआरसी के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन से जोड़कर देखी जा रही है। आव्हाड यहां बीड में आयोजित संवैधानिक रक्षा महासभा को संबोधित कर रहे थे, जिसमें बॉम्बे हाइकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बीजी कोलसे पाटिल, कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना अबू तालिब रहमानी भी शामिल थे। आव्हाड ने कहा- इंदिरा गांधी ने भी लोकतंत्र का गला घोंटा था। कोई भी उनके खिलाफ बोलने के लिए तैयार नहीं था। इसके बाद अहमदाबाद और पटना में प्रदर्शन शुरू हुआ और जेपी आंदोलन की शुरूआत हुई। जिसके कारण उनकी हार हुई। महाराष्ट्र और देश में इतिहास अपने आप को दोहराएगा। आव्हाड ने वर्तमान स्थिति की तुलना हिटलरशाही से करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह पर निशाना साधा।

पहले भी दे चुके हैं विवादित बयान

इससे पहले उन्होंने ठाणे में एक रैली को संबोधित करते हुए विवादित बयान दिया था। उन्होंने राष्ट्रीय नागरिक पंजीकरण (एनआरसी) लेकर कहा था कि मैं दिल्ली के तख्त से पूछता हूं कि क्या वो अब मुझसे मेरे देशवासी होने का सबूत मांगेगा? मोदी-शाह पर बिना नाम लिए मंत्री ने कहा था कि जब तुम्हारे पूर्वज अंग्रेजों के आगे-पीछे घूम रहे थे, उस समय हमारे पूर्वज फांसी के तख्त को चूमकर इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। आव्हाड मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर प्रदर्शन के दौरान कश्मीर को चाहिए आजादी का प्लाकार्ड दिखाने को लेकर सुर्खियों में आ चुके हैं।

दुकान बंद करवाने पहुंचे प्रदर्शनकारियों पर दुकानदार ने फेंकी लाल मिर्च

यवतमाल। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में बुधवार को दुकान बंद करवाने पहुंचे बहुजन क्रांति मोर्चा के कार्यकर्ताओं पर दुकानदार ने मिर्ची फेंक दी। इससे नाराज होकर प्रदर्शनकारियों ने दुकान पर पथराव कर दिया। इसके बाद व्यापारियों और प्रदर्शनकारियों में झड़प हो गई। मामला बढ़ता देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करके उन्हें वहां से हटा दिया। दरअसल, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), एनआरसी और एनपीआर के विरोध में बहुजन क्रांति मोर्चा (बीकेएम) की ओर से बंद का आह्वान किया गया था। प्रदर्शनकारी यवतमाल में शहर के मुख्य बाजार पहुंचे। यहां दुकानें खुली हुई थीं। यह देखकर प्रदर्शनकारी दुकानों को जबरन बंद करवाने लगे। जब दुकानदारों ने दुकान बंद करने से मना किया तो दोनों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारियों में अधिकांश लोग विशेष समुदाय से ताल्लुक रखते थे। ऐसे में झड़प के बाद मामले ने सांप्रदायिक रूप ले लिया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

डॉ. कफील को यूपी एसटीएफ ने...

पुलिस के मुताबिक, डॉ. कफील ने 12 दिसंबर को एएमयू में करीब 600 छात्रों को सीएए को लेकर भड़काऊ भाषण दिया था। कफील ने कहा था, सीएए मुसलमानों को सेकंड क्लास का नागरिक बनाता है और एनआरसी लागू होते ही लोगों को प्रताड़ित किया जाना शुरू हो जाएगा। कफील ने बताया कि वह फरार नहीं था, बल्कि 'मुंबई बाग' में हो रहे प्रदर्शन में शामिल होने के लिए गया था। 'मुंबई बाग' में नागरिकता कानून के विरोध में महिलाएं दिल्ली के शाहीन बाग की तर्ज पर प्रदर्शन कर रहीं हैं। गिरफ्तारी के बाद डॉ. कफील ने कहा, मुझे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में हुई बच्चों की मौत के मामले में क्लीन चिट मिल चुकी है। अब वे (सरकार) मुझे फिर से आरोपी बनाना चाहती है। मैं महाराष्ट्र सरकार से आग्रह करता हूं कि मुझे महाराष्ट्र में ही रहने दिया जाए। मुझे उत्तर प्रदेश पुलिस पर भरोसा नहीं है। अगस्त 2017 में गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 60 बच्चों की मौत के बाद डॉ. कफील का नाम सुर्खियों में आया था। उन पर ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाली कंपनी को उसका बकाया नहीं चुकाने का आरोप था। इस मामले में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया। कई महीने वह जेल में भी रहा था। डॉ. कफील से पहले एएमयू में ही 'असम को भारत से अलग' करने का बयान देने वाले जेएयनू छात्र शर्जील इमाम को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। देशद्रोह के आरोपी शर्जील को दिल्ली पुलिस ने बिहार के जहानाबाद से 28 जनवरी को गिरफ्तार किया था। शर्जील ने 16 जनवरी को सीएए के विरोध में एएमयू में देश विरोधी भाषण दिया था।

... वह मंदिर बनाएंगे, मैं मस्जिद

27 जनवरी को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ मुंबई में रैली को संबोधित करते हुए फरहान आजमी ने कहा, अगर उद्धव ठाकरे अयोध्या जा रहे हैं, तो मैं भी जाऊंगा। हम सब जाएंगे। मैं महा विकास अघाड़ी के नेताओं को भी आमंत्रित करूंगा। मेरे पिता भी जाएंगे। उद्धव ठाकरे राम मंदिर बनाने जाएंगे, लेकिन हम बाबरी मस्जिद बनाने के लिए जाएंगे। हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले से निराश हैं। फरहान आजमी ने कहा, सरकार के 100 दिन पूरे होने पर सीएम उद्धव ठाकरे का अयोध्या जाने का कदम मुसलमानों को डराने के लिए है, लेकिन आपको बता दूं कि दुनिया भर में हमारी आबादी 2.5 अरब है। 50 से अधिक मुस्लिम देश हैं, जो खुशी से हमें अपने देश ले जाएंगे, लेकिन हम नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर हमला करते हुए फरहान आजमी ने कहा, नरेंद्र मोदी के नाम पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने वोट हासिल किया। अब वह उन्हें छोड़कर एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिल गए। मैं आपको बता रहा हूं कि उनकी सरकार 6 से 8 महीने से ज्यादा नहीं चलेगी। उन्होंने अब से नोटा के लिए वोट करने के लिए भी कहा। फरहान आजमी के बयान पर महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता उदय सामंत ने जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने जो बयान दिया है, वो उनके विचार हैं। महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने चुनाव से पहले अयोध्या जाने का फैसला किया था और इसलिए वह अयोध्या जा रहे हैं।

मानखुर्द इलाके में निर्माणाधीन ब्रिज का हिस्सा गिरा

घटना बिंगनवाड़ी जंक्शन के पास घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड पर हुई है। इसमें घायल दोनों लोग ब्रिज के नीचे खड़े थे। दोनों को मुंबई के घाटकोपर में बीएमसी के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां से एक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि दूसरे व्यक्ति का अभी भी इलाज जारी है। जिस वक्त यह ब्रिज गिरा, नीचे वाहन खड़े थे, जिसमें एक ट्रक और दो छोटी गाड़ियां मलबे में दब गई। ब्रिज के क्षतिग्रस्त हिस्से को कटर से काटकर ट्रक को निकाला गया। इस काम में मदद के लिए क्रेन भी मंगाई गई।

सीएए के खिलाफ मार्च से पहले युवक ने फायरिंग की

उसने गोली चलाते वक्त 'ये लो आजादी' के नारे भी लगाए। गोली लगने से जामिया का एक छात्र जख्मी हो गया। बताया जा रहा है कि आरोपी ग्रेटर नोएडा के जेवर इलाके का रहने वाला है। उसने रामभक्त गोपाल नाम से बनी फेसबुक प्रोफाइल पर फायरिंग से पहले फेसबुक लाइव भी किया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है, आरोपी से पूछताछ की जा रही है। गुरुवार को जामिया कोऑर्डिनेशन कमेटी (जेसीसी) ने सीएए और एनआरसी के विरोध में मार्च निकालने का ऐलान किया था। यह मार्च जामिया से राजघाट तक रखा गया। इसके शुरू होने से पहले ही यह घटना हुई। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने 27 जनवरी को रिठाला की एक रैली में विवादास्पद नारे लगवाए थे। अनुराग ने कहा था- देश के गद्दारों को, लोगों ने कहा- गोली मारो...को। यह वीडियो वायरल हुआ था। 28 जनवरी को चुनाव आयोग ने अनुराग को नोटिस जारी कर 30 जनवरी तक जवाब देने को कहा। गुरुवार को चुनाव आयोग ने अनुराग के चुनाव प्रचार करने पर 72 घंटे का प्रतिबंध लगा दिया।

Fruit Distribution programme Held at Cheshire Home Shere-a-punjab by Jan Vikas Foundation on the Occasion of Republic day

Wish you all a Happy Republic Day

JAN VIKAS FOUNDATION

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जन विकास फाउंडेशन द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जन विकास फाउंडेशन द्वारा तोलानी कॉलेज के सामने, शेर ए पंजाब, अंधेरी में ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया गया। जिसमे समाजसेवक श्री भुल्लन यादव जी, सिनेमेटोग्राफर श्री दूधनाथ यादव जी मौजूद रहे। फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री राजीव वर्मा जी ने लोगो को हृदय पूर्ण आभार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद कर सभी को समाज के प्रति सेवा भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया,वहीं फाउंडेशन के महासचिव श्री विनय यादव जी से भी खास बात चीत में उन्होंने भी समाज के गरीब, वंचित, सोशीत वर्गो के उत्थान के लिए फाउंडेशन द्वारा कार्यों के विश्लेषण दिए,और आगे भी उनके फाउंडेशन द्वारा समाज कल्याण के कार्यों के करने का विश्वास दिलाया। फाउंडेशन की सीनियर फैसिलिटेटर प्रतीक्षा वाघमारे ने भी बताया की संस्थान ने जो उन्हें दायित्व दिया है उसे वो हमें पूरी निष्ठा एवं निष्काम भावना के साथ निभाएंगी,एवं लोगो तक समाज के बेहतरी के लिए अनेकों कार्य की सकारात्मक संदेश पोहोचाएंगी। साथ ही फाउंडेशन के ऑर्गनाइजिंग मैनेजर श्री प्रमेश गुप्ता एवं प्रोग्राम असिस्टेंट मोहन बोहरा जी ने ऐसी और सामाजिक कार्यों को और बेहतरीन रूप से करने का आश्वासन दिया,वहीं महिला मंडल की स्थानीय अध्यक्ष लक्ष्मी जी ने भी भी सामाजिक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी पर बात की।

डीजे हार्दिक की पार्टी में शरीक हुई प्रिया दत्त और जय भानुशाली

हाल ही में खार स्थित रेडियो बार क्लब में युवा डीजे हार्दिक हिरानी ने पार्टी का आयोजन किया जहां कांग्रेस नेता व अभिनेता संजय दत्त की बहन प्रिया दत्त सहित अभिनेता जय भानुशाली अपनी पत्नी माही विज के साथ उपस्थित हुए। बता दें कि मुंबई में जन्मे डीजे हार्दिक हिरानी अपनी गीतों की धुन से लोगों को रोमांचित कर रहे हैं। हार्दिक ने कई स्थानों पर अपने गीत की प्रस्तुति दी है। दसवीं क्लास से उनके अंदर संगीत का शौक जागा और वे म्यूजिक की दुनियां में कदम रखे। वे बॉलीवुड म्यूजिक पर ज्यादा ध्यान देते हैं क्योंकि आज के संगीत प्रेमी बॉलीवुड गीत को अधिक पसंद करते हैं। उसी अवसर पर टिकटोक स्टार व फिल्म एक्ट्रेस जन्नत जुबेर के साथ डीजे हार्दिक हिरानी की भी विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बॉलीवुड सेलिब्रिटी सिंगर बी प्राक, बिंदू दारा सिंह, मिस्टर फैसु, एजाज खान, अरिष्फा खान, अदनान शेख, हसनैन खान, फैज बलोच, शादान फारुखी सहित कई टिकटोक स्टार भी नजर आये। जन्नत जुबेर ने बताया कि वह भी बचपन से टीवी और फिल्म में काम कर रही है। श्रद्धा कपूर की डेब्यू फिल्म 'लव का द एंड' और रानी मुखर्जी अभिनीत 'हिचकी' में जन्नत जुबैर महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं। पढ़ाई को लेकर उन्होंने कुछ अंतराल लिया है और जल्द ही वे वापसी करेंगी। वे कई म्यूजिक एलबम में भी काम कर चुकी है।

हमारा वृद्ध समाज दु:खी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है!

आज का वृद्ध समाज-परिवार से कटा रहता है और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमितय न समझे जाने के कारण हमारा वृद्ध समाज दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। वृद्ध समाज को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरुरत है। आज हम बुजुर्गों एवं वृद्धों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के साथ-साथ समाज में उनको उचित स्थान देने की कोशिश करें ताकि उम्र के उस पड़ाव पर जब उन्हें प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वो जिंदगी का पूरा आनंद ले सके। प्रश्न है कि आज हमारा वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है? अपने को समाज में एक तरह से निष्प्रयोज्य समझे जाने के कारण वह सर्वाधिक दुःखी रहता है। वृद्ध समाज को इस दुःख और संत्रास से छुटकारा दिलाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की बहुत आवश्यकता है।एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता है, यानि वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है, यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है, जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। वह लोग भूल जाते हैं कि अनुभव का कोई दूसरा विकल्प दुनिया में है ही नहीं। अनुभव के सहारे ही दुनिया भर में बुजुर्ग लोगों ने अपनी अलग दुनिया बना रखी है। जिस घर को बनाने में एक इंसान अपनी पूरी जिंदगी लगा देता है, वृद्ध होने के बाद उसे उसी घर में एक तुच्छ वस्तु समझ लिया जाता है। बड़े बूढ़ों के साथ यह व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने समाज की संरचना को बदसूरत बना दिया है। सब जानते हैं कि आज हर इंसान समाज में खुद को बड़ा दिखाना चाहता है और दिखावे की आड़ में बुजुर्ग लोग उसे अपनी शान-शौकत एवं सुंदरता पर एक काला दाग दिखते हैं। बड़े घरों और अमीर लोगों की पार्टी में हाथ में छड़ी लिए और किसी के सहारे चलने वाले बूढ़ों को अधिक नहीं देखा जाता, क्योंकि वह इन बूढ़े लोगों को अपनी आलीशान पार्टी में शामिल करना तथाकथित शान के खिलाफ समझते हैं। यही रुढ़िवादी सोच उच्च वर्ग से मध्यम वर्ग की तरफ चली आती है। आज बन रहा समाज का सच डरावना एवं संवेदनहीन है। आदमी जीवन मूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सब कुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप। वृद्ध जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दे।

अशोक भाटिया

उद्यमियों के लिए तनाव को प्रबंधित करने के लिए ग्राफोलॉजी एक महत्वपूर्ण उपकरण हो सकता है: विनीत बंसोड, द ग्राफोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट के संस्थापक

एक व्यवसाय शुरू करना कई उद्यमियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन उसे बनाए रखना बड़ी चुनौती है। उद्यमिता के युग में, जब प्रतिस्पर्धक अगली बडा बनने का प्रयास कर रहा हो और इनोव्हेशन यह चर्चा का शब्द हो, तब तो यह और अधिक है। इन दिनों उद्यमियों को अक्सर ग्राहकों या बिक्री के नुकसान के बारे में आशंकाओं के साथ घेर लिया जाता है, कर्मचारियों के बीच काम साझा करने के मुद्दे, जिन्हें डेलिगेशन के रूप में जाना जाता है। ये डर और भावनाएं उनके व्यक्तित्व लक्षणों को सीधे प्रभावित करती हैं। कोई भी स्थायी व्यक्तित्व के साथ पैदा नहीं होता है। यह परिवर्तन और परिवर्तनों से गुजरता है और दबाव में आकार लेता है। हालांकि समय के साथ व्यक्तित्व लक्षण स्थिर रह सकते हैं, आप विशेषज्ञ ग्राफोलॉजिस्ट के मार्गदर्शन में कुछ 'दोष रेखाओं' की पहचान करने में सक्षम हो सकते हैं। जब विशेष रूप से आप तनाव और गतिशील चुनौतियों का सामना कर रहे हैं तो इनकी पहचान सर्वोपरि है। छुटकारा पाना या कम से कम अपने व्यक्तित्व के चिंता कारक लक्षणों को जानना ग्राफोलॉजी के उपयोग से सरल हो जाता है। ग्राफोलॉजी हाथ से लिखने और हस्ताक्षर विश्लेषण के माध्यम से विचार पैटर्न और व्यवहार संबंधी पहलुओं का अवलोकन प्रदान करता है। लिखावट और हस्ताक्षर विश्लेषण हस्तलिखित या हस्ताक्षर द्वारा प्रकट स्ट्रोक और पैटर्न के माध्यम से व्यक्तित्व की पहचान, मूल्यांकन और समझने की एक वैज्ञानिक विधि है। यह भावनात्मक उपरिशायी, भय, ईमानदारी, रक्षा और कई अन्य सहित सच्चे व्यक्तित्व को प्रकट करता है। पेशेवर हस्तलिपि परीक्षक जिन्हें ग्राफोलॉजिस्ट कहा जाता है, वे अक्सर लेखक को हस्तलेखन के नमूने के एक टुकड़े से पहचानते हैं। किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व की प्रारंभिक भविष्यवाणियां आधारभूत है, किसी व्यक्ति की लिखावट में पाई जाती है। जैसे पेन/पेंसिल (लेखन साधन) दबाव, टी-बार, वाई या जे जैसे अक्षर के निचले लूप और लेखन की तिरछी पद्धति। एक उद्यमी के रूप में, टीम के खिलाड़ी होने के मुद्दे एक अंतमुर्खी व्यक्तित्व के व्यक्ति के लिए एक लाल झंडा हो सकता है। ऊपर और नीचे स्ट्रोक के माध्यम से ड्राइंग लाइन द्वारा जांचें। पिछड़े ढलान एक अंतमुर्खी व्यक्तित्व का संकेत देते हैं और आगे की ढलान बहिमुर्खी व्यक्तित्व हैं। लेखन जो दाईं ओर उगता है, खुशमिजाज और आशावाद दिखाता है, जो नए युग के उद्यमी के लिए एक महत्वपूर्ण विशेषता है। दाहिनी ओर झुकना शारीरिक या मानसिक थकावट दर्शाता है। एक उद्यमी के रूप में,अगर किसी के पास लेखन का अधिक सतत प्रवाह हो तो उत्साह, आवेग और आवेगपूर्ण होने को भी जांचा जा सकता है। लिंक किए गए अक्षरों और कभी-कभी लिंक किए गए शब्दों के साथ लेखन को प्रवाहित करना, जिसे शब्दों के एक थ्रेडिंग के रूप में जाना जाता है-यह दर्शाता है कि उद्यमी अपने स्वयं को प्रमुख विभागों को रखना चाहेंगे और प्रतिनिधियों को नहीं जीतेंगे। शब्दों के बीच अंतर करने के लिए भी जाँच करनी चाहिए, यह सामाजिक दृष्टिकोण को इंगित करता है। शब्दों के बीच बड़ा अंतर इंगित करता है कि व्यक्ति अकेले रहने में सहज है और दूसरों को अविश्वास भी कर सकता है। देखिये, जहां लेखन मुख्य रूप से केंद्रित है और जहां जोर है। जैसे ही लेखक परिपक्व होता है, वह पत्र लेखन से जुड़ने की अधिक परिष्कृत विधि सीख लेता है जिसे कर्सिव राइटिंग कहा जाता है। चार सबसे आम संयोजी रूप माला, आर्केड, कोण और धागा हैं। हम में से कोई भी विशेष रूप से एक संयोजक का उपयोग नहीं करता है। एक रूप आमतौर पर हावी होता है और दूसरा गौण होता है। माला संयोजी हस्तलेखन से पता चलता है कि व्यक्ति गर्म, सहानुभूतिपूर्ण और भावुक है। आर्केड या रिवर्स माला किसी व्यक्ति के रचनात्मक होने का गुण दर्शाता है। लेखक जो आदतन कोणों का उपयोग करता है, वे अक्सर विश्लेषणात्मक, तनावपूर्ण और आत्म-अनुशासित होते हैं। उद्यमियों को विशिष्ट लक्षण होने चाहिए परंतु, यदि कोई लक्षण अनुपस्थित हों तो यह परिभाषित नहीं होता कि वह व्यक्ति अक्षम है। आपके नियमित लेखन की आदतों में कुछ जाँचें और परिवर्तन आपको उन विशिष्ट लक्षणों से अवगत करा सकते हैं। होशपूर्वक सुबह सबसे पहले परिवर्तन का अभ्यास करना शुरू करें और जैसे-जैसे समय बीतता जाएगा, सचेतन अभ्यास एक आदत बन जाएगा। यदि अभ्यास से कोई भी परिपूर्ण बनाता है तो ग्राफोलॉजी पूर्णता का मार्ग है।

4 साल का बच्चा जेल में बंद मां के लिए रो रहा था, जज ने रात में कोर्ट खोलकर दोनों को मिलवाया

मां से मिलने के लिए जेल के बाहर भटक रहा था बच्चा, जेल अफसरों के आवेदन पर कोर्ट पहुंचे जज

सागर। जेल में बंद मां के लिए बिलख रहे 4 साल के एक बच्चे को उसकी मां से मिलवाने के लिए बुधवार रात अतिरिक्त जिला न्यायालय (विशेष) को खोला गया। जिला न्यायालय परिसर में चार साल का एक बच्चा जारौन अली, अपने चाचा के साथ भटक रहा था। वह लगातार रोये जा रहा था।लोगों की नजर उस पर पड़ी। पूछने पर इस बच्चे के साथ मौजूद युवक ने अपना नाम रहमान अली निवासी नादिरा बस स्टैंड भोपाल बताया। उसने बताया कि सागर निवासी एक नाबालिग लड़की से जुड़े आपराधिक मामले में मेरे बड़े भाई शहजान अली, भाभी आफरीन और मां नगमा को गोपालगंज पुलिस ने आरोपी बनाया है। ये सभी केंद्रीय जेल सागर में बंद हैं। मैं, इन सभी की जमानत के लिए कोर्ट में घूम रहा हूं। अब ये बच्चा अपनी मां (आफरीन) से मिलने के लिए तड़प रहा है। इस पर प्रतिनिधि ने केंद्रीय जेल के अफसरों को वस्तुस्थिति बताई और उन्हें लेकर जेल परिसर लेकर पहुंचा।

जेल अफसरों के आवेदन पर कोर्ट पहुंचे जज, दी अनुमति। जेलर नागेंद्रसिंह चौधरी ने जेल सुपरिटेंडेन्ट संतोषसिंह सोलंकी को पूरे घटनाक्रम से वाकिफ कराया। जवाब में सोलंकी ने नियमों की बात कही। उन्होंने कहा कि अब तो मुलाकात का भी समय नहीं बचा। उन्होंने रहमान को सुबह आने की बात कही। इसी दौरान ये मासूम बच्चा बुरी तरह बिलख-बिलखकर रोने लगा। वह जेल परिसर से बाहर जाने को तैयार ही नहीं था।हालात देख सुपरिटेंडेन्ट सोलंकी ने विशेष न्यायाधीश एडीजे डीके नागले को घटना बताई। इसके बाद उन्होंने इस बच्चे की मां की तरफ से एक लिखित आवेदन कोर्ट में पेश करने की बात कही। न्यायाधीश भी रात करीब 8.30 जिला न्यायालय पहुंच गए। यहां से जेलर चौधरी, मां आफरीन और सुपरिटेंडेन्ट सोलंकी की तरफ से लिखी चिट्ठी लेकर कोर्ट में हाजिर हो गए। जज नागले ने विचारण के बाद जारौन को जेल दाखिल करने की अनुमति दे दी।

मां-बेटे को मिलाकर सुकून मिला

सागर के केंद्रीय जेल के सुपरिटेंडेन्ट संतोषसिंह सोलंकी ने बताया, ३मेरे करियर में ये पहला ऐसा मामला हैं, जिसमें मैंने कोर्ट खुलवाने के लिए आवेदन किया। हालांकि, इस मासूम की हालत देख कोई भी व्यक्ति यह पहल करने से नहीं रुकता। एक रोता-बिलखता मासूम अपनी मां से मिल गया। मुझे आत्मिक सुकून मिला है।

सरकारी स्कूलों में हो रही प्री-बोर्ड परीक्षा के पेपर चोरी, पूरे प्रदेश में पेपर करना पड़ा रद्द

रोहतक। प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में मंगलवार को शुरू हुई प्री-बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र चोरी हो गए। प्रश्न पत्र रोहतक के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल अटायल स्थित परीक्षा कक्ष में रखी अलमारी से चोरी हो गए। चोरो ने परीक्षा कक्ष का ताला खोल अलमीरा से प्रश्न पत्र चोरी किए। चोरी की जानकारी स्कूल प्राचार्य सुरेंद्र लाकड़ा को मंगलवार शाम करीब 7 बजे मिली। इसके बाद प्राचार्य ने आला अधिकारियों सहित पुलिस को सूचित किया। इसके चलते बुधवार को पूरे प्रदेश में पेपर रद्द कर दिया गया। एसडीएम अमरदीप, तहसीलदार राकेश, जिला शिक्षा अधिकारी परमेश्वरी हुड्डा, खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा सहित अन्य अधिकारी रात करीब डेढ़ बजे तक मौके पर रहे। वहीं हरियाणा बोर्ड द्वारा ली जा रही प्री- बोर्ड परीक्षा को प्रदेश स्तर पर रद्द कर दिया गया। हालांकि जिस स्कूल से प्रश्न पत्र चोरी हुए वहां पर चौकीदार की भी नियुक्ति हो रखी है। खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा का कहना है कि 24 जनवरी को सभी स्कूलों को प्रश्न पत्र दे दिए गए। प्रश्न पत्र की देखभाल करने की जिम्मेवारी स्कूल प्राचार्य की बनती है। प्रश्न पत्र चोरी होने की जानकारी मिलने के बाद वह मौके पर पहुंची। हालांकि जिस प्रकार प्रश्न पत्र चोरी हुए वह जांच का विषय है।

जलियांवाला बाग का हो रहा रेनोवेशन, 15 फरवरी से 13 मार्च तक रहेगा बंद

पर्यटकों को नहीं मिल पाएगी एंट्री

अमृतसर। जलियांवाला बाग में रेनोवेशन के चलते पर्यटकों के लिए एंट्री 15 फरवरी से 13 मार्च तक एक महीने के लिए बंद रहेगी, ताकि 13 अप्रैल से पहले समागम के लिए काम फिनिश कर बाग को सरकार के हवाले किया जा सके। जलियांवाला बाग बंद करने का मुख्य कारण काम में तेजी लाना है। इस बारे में जलियांवाला बाग में काम करवा रही एजेंसी ने केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय को लिखा है कि टूरिस्टों की एंट्री पर रोक लगाई जाए। 13 अप्रैल 2019 के दिन बाग में हुए समागम के दौरान इसके सौंदर्यीकरण प्रक्रिया की नींव रखी गई थी। 20 करोड़ के इस प्रोजेक्ट पर बीते जून में काम शुरू किया गया था।

पंचायत चुनाव में हार के बाद प्रत्याशी ने कहा- जो सामान दिया था लौटाओ

नाराज गांव वालों ने चौराहे पर सामान का ढेर लगाकर पुलिस को शिकायत कर दी

रायपुर/आरंग (छत्तीसगढ)। राजधानी रायपुर से सटे मंदिरहसौद के भानसोज में पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद एक अलग ही रंग देखने को मिला। बुधवार की सुबह गांव के लोगों ने भानसोज बस स्टैंड चौराहे पर कुकर, मिक्सी, पैंट और शर्ट पीस के साथ आधी-आधी शराब की बोतलें लाकर रख दी। चौराहे पर इन सामान की प्रदर्शनी से हड़कंप मच गया। इस बीच किसी ने पुलिस को भी खबर कर दी।

पुलिस टीम पहुंचने के बाद पता चला कि पंचायत चुनाव के उम्मीदवार मनोहर देवांगन ने वोटरों को लुभाकर अपने पक्ष में वोट देने के लिए किसी को कुकर तो किसी को मिक्सी बांटी थी। शराब और पैंट-शर्ट भी दिए थे। चुनाव में हार जाने पर मनोहर ने लोगों से अपना सामान वापस मांग लिया। इससे नाराज होकर गांव वालों ने दिए हुए सभी सामान की चौराहे पर ही प्रदर्शनी लगा दी।

पुलिस ने मनोहर देवांगन के खिलाफ मारपीट और धमकी का केस दर्ज कर लिया है। मनोहर फिलहाल फरार है। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत चुनाव में चंद्रहास देवांगन और मनोहर देवांगन पंच के लिए चुनाव लड़ रहे थे। दोनों रिश्ते में भाई होने के बावजूद एक दूसरे के आमने-सामने चुनाव मैदान में थे। मनोहर ने अपना प्रचार करने के साथ गांव के कुछ लोगों को अपने पक्ष में करने सामान गिफ्ट किए। चुनाव में मनोहर की हार हुई। नाराज होकर वह बुधवार को सुबह उन लोगों के घर पहुंच गया, जिन्हें उसने सामान गिफ्ट किया था। उसने कुछ घरों में दस्तक देकर उन्हें जगाकर धमकी भी दी। बाद में पुलिस पहुंची और सामान जब्त किया गया।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ठाकुरराम सिंह ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हमने रायपुर जिला कलेक्टर से मामले की जांच और विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए कहा है। रिपोर्ट आने के बाद नियमों के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। वैसे चुनाव आदर्श आचार संहिता के नियमों के अनुसार मतदाता को प्रलोभन देने का मामला है। जांच के बाद ही इस पर ज्यादा कुछ कहा जा सकेगा।

पंच उम्मीदवार के खिलाफ केस दर्ज, सामान भी जब्त

आरंग टीआई लेखधर दीवान ने बताया कि भानसोज वार्ड-7 के लोगों ने उम्मीदवार मनोहर देवांगन और उसके भाई के खिलाफ शिकायत की है। पुलिस ने जांच के बाद दोनों भाई के खिलाफ मारपीट, गाली गलौज और धमकी का केस दर्ज किया गया है। लोगों ने सामान को लावारिस छोड़ दिया था, जिसे जब्त कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई।

बेतिया में सीएए के खिलाफ यात्रा की इजाजत नहीं मिली तो धरने पर बैठे कन्हैया, पुलिस ने हिरासत में लिया

चनपटिया ने लोगों ने 'कन्हैया गो बैक' के लगाए नारे, कहा- यहां से यात्रा शुरू नहीं करने देंगे

बेतिया। बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले से सीएए, एनआरसी और एनपीआर के खिलाफ यात्रा शुरू करने पहुंचे जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। कन्हैया बेतिया के गांधी मैदान में सभा करने वाले थे, लेकिन प्रशासन ने कानून व्यवस्था और सरस्वती पूजा को देखते हुए रैली को मंजूरी नहीं दी।

कन्हैया गांधी आश्रम के बाहर धरने पर बैठ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने कन्हैया को हिरासत में ले लिया। नाराज कार्यकर्ता उग्र हो गए और गांधी आश्रम के बाहर जमकर हंगामा किया। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। कन्हैया का कहना है कि मैंने तो पहले ही सूचना दे दी थी कि गुरुवार से यात्रा की शुरूआत करने जा रहा हूं। जानकारी देने के बाद भी सरकार ने मुझे पहले क्यों नहीं रोका? अचानक प्रशासन की तरफ से कार्यक्रम क्यों रद्द कर दिया गया? कन्हैया ने ट्वीट कर लिखा-

आज बापू-धाम (चम्पारण) में गांधीजी को नमन करके गरीब-विरोधी CAA-NRC-NPR के विरोध में एक महीने की जन-गण-मन यात्रा की शुरूआत होनी थी। समाज के सभी तबकों के लोग इस यात्रा में शामिल होने के लिए मौजूद हैं, लेकिन प्रशासन ने कुछ देर पहले हम सबको हिरासत में ले लिया है।

इससे पहले कन्हैया ने गांधी आश्रम पहुंचकर महात्मा गांधी के मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस दौरान कन्हैया के सैकड़ों समर्थक वहां मौजूद रहे। गांधी मैदान में कन्हैया की दोपहर एक बजे से शाम बजे तक सभा होनी थी। प्रशासन का कहना है कि शहर में कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए डीएम ने सभा को रद्द करने का आदेश दिया है।

सीएए के खिलाफ यात्रा शुरू करने पहुंचे कन्हैया को पश्चिमी चंपारण के चनपटिया में विरोध का सामना करना पड़ा। बैनर-पोस्टर लिए दर्जनों लोग सड़क किनारे खड़े थे। जैसे ही कन्हैया का काफिला गुजरा तो लोगों ने कन्हैया गो बैक के नारे लगाए। लोगों का कहना है कि कन्हैया को यहां से यात्रा की शुरूआत नहीं करने देंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कंगना रनौत के साथ पद्म श्री लेकर करण जौहर को है गर्व

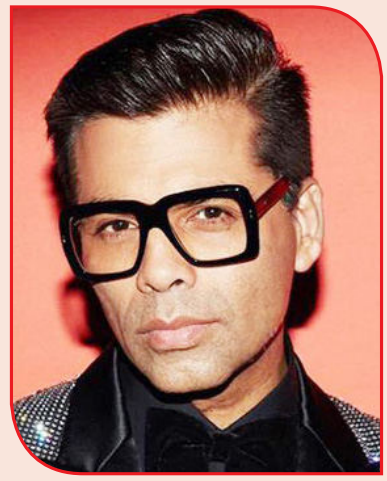

फिल्ममेकर करण जौहर को हाल ही में परफॉर्मिंग आर्ट्स में कॉन्ट्रिब्यूशन के लिए पद्म श्री अवॉर्ड मिला है, उनका कहना है कि कंगना के साथ अवॉर्ड मिलना गर्व की बात है। याद दिलाते चलें कि कंगना रनौत और करण जौहर के बीच नेपोटिजम वॉर लंबे वक्त से सुर्खियों में है। यह बात उस वक्त शुरू हुई थी जब कंगना 2017 में करण जौहर के चैट शो पर पहुंची थीं और उन्होंने कह दिया था कि करण को आउटसाइडर्स को लेकर प्रॉब्लम है और वह फिल्म इंडस्ट्री में नोपिटजम को बढ़ावा देने वाले हैं। इसके बाद एक अवॉर्ड शो के दौरान करण ने भी नेपोटिजम का मजाक उड़ाया था। स्टेज पर वरुण और सैफ के साथ खड़े होकर उन्होंने कहा था 'नेपोटिजम रॉक्स'। इसके बाद सोशल मीडिया पर भी कई स्टारकिड्स को ट्रोल किया गया था और कंगना की बहन रंगोली भी कई बार इस बारे में कॉमेंट कर चुकी हैं। हालांकि करण जौहर का कहना है कि कंगना को लेकर उनके मन में कोई गिला नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक करण जौहर ने कहा है कि कंगना, उनके और किसी तरह की राइवलरी या टेंशन के बारे में बहुत कुछ कहा गया है लेकिन किसी भी पब्लिक इवेंट पर जब भी वे मिलते हैं तो एक-दूसरे को ग्रीट करते हैं।

तापसी पन्नू को पड़ा झन्नाटेदार 'थप्पड़'

डायरेक्टर अनुभव सिन्हा की पिछली फिल्में 'मुल्क' और 'आर्टिकल 15' ऐसी फिल्में थीं जिन्होंने भारतीय समाज के बारे में सशक्त संदेश देने का काम किया था। जहां 'मुल्क' सांप्रदायिकता के मुद्दे पर बनी थी वहीं 'आर्टिकल 15' जातिगत भेदभाव का मुद्दा रखती दिखी थी। अब वह अपनी आने वाली फिल्म 'थप्पड़' के साथ तैयार हैं। अब इस फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। तापसी पन्नू की मुख्य भूमका वाली 'थप्पड़' के फर्स्ट लुक पोस्टर को देखने पर ऐसा लगता है जैसे तापसी के फेस पर किसी ने जोरदार तमाचा जड़ा है। पोस्टर में उनके फेस पर शॉक और दर्द के मिले-जुले एक्सप्रेशंस दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस पोस्टर को शेयर करते हुए तापसी ने लिखा, क्या ये बस इतनी सी बात है? क्या प्यार में ये भी जायज है? ये थप्पड़ की पहली झलक है। बता दें कि 31 जनवरी को इसका ट्रेलर भी रिलीज किया जाएगा। हालांकि अभी क इस फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है लेकिन ऐसा माना जा रहा कि अनुभव की इस फिल्म का कॉन्टेंट बेहतरीन होगा।

सलमान के नक्शेकदम पर पूजा हेगड़े

फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे कई स्टार्स हैं जो अकसर चैरिटी करते रहते हैं और वक्त पड़ने पर जरूरतमंदों की मदद भी करते हैं। कई फिल्म स्टार्स ने तो बच्चों को गोद भी लिया और आपदा की स्थिति में करोड़ों रुपये दान किए। अब ऐक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने भी कुछ ऐसा ही किया है, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर उनकी वाहवाही हो रही है। एक एंटरटेनमेंट पोर्टल के मुताबिक, पूजा हेगड़े एक इवेंट में पहुंची थीं, जहां कैंसर के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए एक गोल्फ टूर्नामेंट की अनाउंसमेंट की जानी थी। यहां पूजा हेगड़े ने कैंसर से पीड़ित दो बच्चों के इलाज के लिए करीब ढाई लाख रुपये डोनेट किए। साथ ही उन्होंने कहा कि वह आगे भी मदद करती रहेंगी। पूजा के इस नेक कदम ने लोगों को दिल जीत लिया। सलमान खान भी समय-समय पर कैंसर पीड़ितों की सहायता करते रहे हैं। एक तरफ जहां वह अपने बीइंग ह्यूमन फाउंडेशन के जरिए जरूरतमंदों की मदद करते हैं, तो वहीं वह कैंसर पीड़ितों के लिए अब तक अपनी पेंटिंग, कपड़े और बाकी चीजें भी बेच चुके हैं। खबर के मुताबिक, कुछ साल पहले उन्होंने कैंसर से पीड़ित ऐसे लोगों की मदद के लिए मेडिकल कैंप लगवाया था, जिन्हें आर्थिक मदद चाहिए थी। उस वक्त हर रोज हजारों की संख्या में लोग अपने कागजों के साथ उनके घर के बार लाइन लगाकर खड़े रहते थे।